table. On the one hand we talk about 'problem villages' and problems which come into 'problem villages'. Even in the MP's fund that we have given, we have given the directions that they can put borewells. *Indiscriminate* boring of ground water borewells has further reduced ground water level. So, does the Government have a clear-cut policy on the ground water management and what work has been done State-wise, particularly in Andhra Pradesh?

MR. CHAIRMAN: You made a very good point. The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

मानसिक रोग चिकित्सालयों में भर्ती किए गए रोगी

*604. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 31 जुलाई, 1994 की स्थिति के अनुसार देश में मानसिक रोग चिकित्सालयों में चिकित्सालय-वार कितने रोगी भर्ती थे;

(ख) वर्ष 1991-92, 1992-93, 1993-94 के दौरान और वर्ष 1994-95 में 31 जुलाई तक उन चिकित्सालयों में चिकित्सालय-वार कितने रोगियों की मृत्यु हुई;

(ग) ऐसे रोगियों की चिकित्सालय-वार संख्या कितनी है जिन्हे मानसिक रोग से स्वस्थ हो जाने के बावजूद उनके परिजनों द्वारा अपने घर ले जाने से इंकार कर दिया गया है; और

(घ) मानसिक रोग से स्वस्थ हो चुके, परन्तु परिजनों द्वारा परित्यक्त रोगियों का पुनर्वास किए जाने के लिए सरकार द्वारा प्रारंभ की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० सी० सिल्वेरा): (क) से (घ): केन्द्रीय सरकार मानसिक अस्पतालों तथा मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, शाहदरा में 31.7.1994 की स्थिति के अनुसार अंतरंग रोगियों की संख्या नीचे दी गई है:—

केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची	444
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तांत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूर	644
मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, शाहदरा	215

अन्य मानसिक अस्पतालों के बारे में सूचना राज्य सरकारों से एकत्र की जा रही है तथा सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

कुछेक मानसिक अस्पतालों के उन रोगियों की संख्या, जिनकी वर्ष 1991-92, 1992-93, 1993-94 तथा 1994-95 (31 जुलाई, 1994 तक) के दौरान मानसिक अस्पतालों में मृत्यु हुई थी, संलग्न विवरण में दी गई है (नीचे देखिए) केन्द्रीय सरकारी अस्पतालों तथा मानव व्यवहार तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान, शाहदरा के संबंध में 31.7.1994 की स्थिति के अनुसार उन रोगियों की संख्या, जिनका उपचार तो हुआ परन्तु उन्हें उनके संबंधियों द्वारा अपनाया नहीं गया, इस प्रकार है:—

केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची	23
राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलूर	8
राष्ट्रीय मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान, शाहदरा	73

राज्य सरकारी मानसिक अस्पतालों के संबंध में उन मानसिक रोगियों की संख्या जिनका उपचार तो हुआ परन्तु उन्हें उनके संबंधियों द्वारा अपनाया नहीं गया, के बारे में सूचना एकत्र की जा रही है तथा सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निमाहंस, बेंगलूर केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची तथा मानव व्यवहार तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान, शाहदरा में चलाए जा रहे हैं। इन संस्थाओं में कुछ रोगियों को, जो मानसिक रोग से ठीक हो गए हैं पुर्नवास केन्द्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कल्याण मंत्रालय स्वैच्छिक संगठनों को दैनिक परिचर्या केन्द्र तथा हाफ वे होम्स चलाने के लिए वित्तीय सहायता देता है।

विवरण

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम/संस्थान	मृत रोगियों की संख्या			
	1991-92	1992-93	1993-94	1994 (जुलाई तक)
महाराष्ट्र				
मानसिक अस्पताल, पुणे	164	186	133	77
—तदेव—, ठाणे	103	93	123	61
—तदेव—, नागपुर	39	31	40	20
—तदेव—, रतनागिरि	19	13	10	4
गुजरात				
मानसिक अस्पताल, अहमदाबाद	20	16	6	2
—तदेव—, बडौदा	3	6	4	1
—तदेव—, जामनगर	5	2	3	2
—तदेव—, भुज	1	1	2	1
दादरा व नगर हवेली	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
अरूणाचल प्रदेश	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
चंडीगढ़ (संघ राज्य क्षेत्र)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली				
आई० एच०बी०ए०एस०, दिल्ली	33	29	25	5
केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची	10	9	8	—
निमहंस, बेंगलूर	6(1991)	23(1992)	10(1993)	5(जुलाई, 94 तक)
आंध्र प्रदेश				
मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, हैदराबाद	5(1991)	6(1992)	11(1993)	17(1994)
सरकारी मानसिक अस्पताल, विशाखापत्तनम	12(1991)	25(1992)	12(1993)	4(जुलाई, 94 तक)

माचिस उद्योग के लिये कच्चे माल की कमी

*605. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कानपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित माचिस उद्योग को कच्चे माल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो कच्चे माल की अपर्याप्त आपूर्ति या कमी के लिये जिम्मेदार कारण क्या है; और

(ग) इस संबंध में क्या उपचारात्मक कदम उठाने का विचार है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम): (क) नरम तथा माचिस-ग्रेड को छोड़कर माचिस उद्योग के लिए सभी कच्चे माल बाजार में बिना किसी प्रतिबंध के उपलब्ध हैं। नरम काष्ठ तथा माचिस-मोम का आबंटन राज्य प्राधिकरणों द्वारा किया जाता है। किन्तु कानपुर क्षेत्र की कुछ खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की इकाइयां सल्फर एवं पोटैशियम क्लोरेट के भंडारण की समस्या का सामना कर रही हैं।

(ख) और (ग) पोटैशियम क्लोरेट और सल्फर विस्फोटक पदार्थ होने के कारण और खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की इकाइयों के पास भंडारण के लिए